

## भारतमाला परियोजना

### प्रलिस के लयः

[भारतमाला](#), सार्वजनक नवलश बोरुड, [पूङीगत वयय](#), [वसतु एवं सेवा कर](#)

### मेनुस के लयः

भारतमाला परयोजना, पीएम गतशकतयोजना और भारत के बुनयिदी अवसंरचना के वकिस में योगदान ।

[सरोतः इकॉनोमक टाइम्स](#)

### चरुा में क्युँ?

प्रमुख सडक नेटवरुक वसतार कार्यक्रम **भारतमाला परयोजना चरण-I का लगभग 50%** कार्य 31 मार्च 2024 तक पूरा हो चुका है और इसके वर्ष 2027-28 तक पूरा होने की उम्मीद है ।

- सडक परवलहन और राजमार्ग मंत्रालय के **वज़िन 2047** का लकष्य सभी नागरकुँ को 100-150 कलुमीटर के भीतर हाई-स्पीड कॉरुडोर प्रदान करना तथा वशलव सतरीय सुवधिएँ वकिसत करके यातरी सुवधा को बढाना है ।
- यह दृषुकुण भारत में राजमार्गुँ और संबंघत बुनयिदी अवसंरचना के लयि **मासुटर प्लान** का आधार है ।

### भारतमाला परयोजना क्युँ है?

#### ■ परचयः

- **भारतमाला परयोजना** सडक परवलहन और राजमार्ग मंत्रालय (Ministry of Road Transport and Highways) के तहत शुरू कयिा गया एक व्यापक कार्यक्रम है ।
  - भारतमाला के पहले चरण की घुषणा वर्ष 2017 में की गई थी और इसे 2022 तक पूरा कयिा जाना था लेकन धीमे कार्यानवयन और वतुतीय बाधाकुँ के कारण इसे पूरा नहीं कयिा जा सका ।
- कनेकुवकुवकुव एवं लॉजसुकुवकुव दकषुता बढाने के लयि **भारतमाला**, **सागरमाला**, शुषुक/भूमबंदरगाह और अन्य बुनयिदी ढाँचा परयोजनाकुँ को **पीएम गतशकतयोजना** के तहत शामिल कयिा गया है ।
  - जबक **भारतमाला** परयोजना का उदुदेश्य माल और यातरी आवागमन को बढाते हुएसडक संपरुक में सुधार करना है, सागरमाला परयोजना का उदुदेश्य व्यापार एवं समुद्री गतवधुकुव को बढाने के लयि **बंदरगाहुँ का आधुनकुककरण** तथा तटीय शपुगि को बढावा देना है ।

#### ■ प्रमुख वशलषुताएँ:

- **आरुथक कुररुडोर और उनकुी दकषुता में सुधार:** भारतमाला पहले से नरुमित बुनयिदी अवसंरचना की बढी हुई प्रभावशीलता, बहुवधु एकीकरण, नरुबाध आवागमन के लयि बुनयिदी अवसंरचना की कमयुँ को दूर करने एवं राषुटरीय व आरुथक कुररुडोर को एकीकृत करने पर केंदरुतु है ।
  - इसका उदुदेश्य राजमार्गुँ पर अधकुंश माल यातायात को ले जाने के लयि **स्वरुणमि स्वरुणमि चतुरभुज (GQ)** और **उतुतर-दकषुण तथा पूरुव-पशुचमि (NS-EW) कुररुडोरुँ** सहतु लगभग 26,000 कलुमीटर आरुथक कुररुडोर का नरुमाण करना है ।
- **इंटर-कुररुडोर और फीडर रूट:** यह प्रथम मील से अंतमि मील तक की कनेकुवकुवकुव सुनशुकुवतु करेगा ।
  - इन कुररुडोर की प्रभावशीलता में सुधार के लयि लगभग **8,000 कलुमीटर इंटर-कुररुडोर** और लगभग **7,500 कलुमीटर फीडर रूट** की पहचान की गई है ।
- **सीमा और अंतरराषुटरीय संपरुक सडकुँ:** बेहतर सीमा सडक बुनयिदी अवसंरचना से अधकु गतशीलता सुनशुकुवतु होगी और साथ ही पडुुसी देशुँ के साथ व्यापार को भी बढावा मलुंगा ।
- **तटीय व पुरुट कनेकुवकुवकुव हेतु सडकुँ:** तटीय कषुेत्रुँ में कनेकुवकुवकुव के माधुयम से बंदरगाह आधारतु आरुथक वकिस को बढावा मलुता है, जसुसे परुयटन एवं औदुयुगक वकिस दुनुँ बेहतर होते हैं ।

- **ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेसवे:** उच्च यातायात सघनता और अधिक जाम वाले स्थान की उपस्थिति वाले एक्सप्रेसवे ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेसवे से लाभान्वित होंगे।
- **वित्तपोषण तंत्र:**
  - भारतमाला परियोजना को **केंद्रीय सड़क और अवसंरचना नधि उपकर, प्रेषण, अतरिकित बजटीय सहायता, राष्ट्रीय राजमार्गों के मुद्रीकरण, आंतरिक एवं अतरिकित बजटीय संसाधनों** तथा नजी क्षेत्र के निवेश सहित विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषित किया जा रहा है।
- **स्थिति:**
  - मार्च 2024 तक, भारतमाला परियोजना चरण-1 ने 26,425 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लिये सफलतापूर्वक अनुबंध प्रदान किये हैं और **4.59 लाख करोड़ रुपए** के कुल व्यय के साथ **17,411 किलोमीटर का कार्य पूरा किया है**।
    - यह परियोजना **31 राज्यों** और केंद्र शासित प्रदेशों तथा 550 से अधिक जिलों में **34,800 किलोमीटर** क्षेत्र को शामिल करती है।



## सड़क अवसंरचना विकास हेतु अन्य समान पहल

- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY):** यह परियोजना वर्ष 2001 में असंबद्ध बस्तियों को जोड़ने के लक्ष्य के साथ शुरू हुई थी।
- **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (NIP):** **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (NIP)** एक पहल है जो सभी नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने और घरेलू एवं वदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने हेतु पूरे भारत में **वर्ल्ड स्तरीय बुनियादी अवसंरचना** प्रदान करेगी।
  - बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं में **ऊर्जा, सड़क, शहरी और रेलवे जैसे क्षेत्रों** में सामाजिक एवं आर्थिक बुनियादी अवसंरचना परियोजनाएँ शामिल हैं, जो भारत में बुनियादी अवसंरचना में अनुमानित पूंजीगत व्यय का लगभग 70% है।
  - इसमें 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली **ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड परियोजनाएँ** शामिल हैं।
- **स्वर्णमि चतुरभुज परियोजना:**
  - यह 4-6 लेन वाले राजमार्गों का एक नेटवर्क है जो भारत के 4 शीर्ष महानगरीय शहरों अर्थात **दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता** को

जोड़ता है, जिससे एक चतुरभुज बनता है।

- यह परियोजना [राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना \(NHDP\)](#) के हिस्से के रूप में वर्ष 2001 में शुरू की गई थी। यह भारत की सबसे बड़ी राजमार्ग परियोजना है।
- स्वरणमि चतुरभुज की 4 भुजाएँ/फलक:
  - **दिल्ली-कोलकाता:** 1,453 कमी
  - **चेन्नई-मुंबई:** 1,290 कमी
  - **कोलकाता-चेन्नई:** 1,684 कमी
  - **मुंबई-दिल्ली:** 1,419 कमी
- **नये अनुबंध मॉडल और परसिंपत्ता मुद्रिकरण:** [इंजीनियरिंग, खरीद और नरिमाण \(EPC\)](#) तथा [बलिड, ऑपरेट, ट्रांसफर \(BOT\)](#) जैसी पारंपरिक नविदा पद्धतियों के अलावा कई नये अनुबंध मॉडल भी उभर कर सामने आये हैं।
  - इनमें [हाइबरडि एनयुइटी मॉडल \(HAM\)](#), टोल, ऑपरेट और ट्रांसफर (TOT) तथा [इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट \(InVIT\)](#) शामिल हैं।

## भारत के विकास में सड़क अवसंरचना का क्या महत्त्व है?

- **आर्थिक विकास और उत्पादकता:** सड़क नेटवर्क भारत के आर्थिक विकास के लिये महत्त्वपूर्ण है, जो सकल घरेलू उत्पाद में 3.6% से अधिक का योगदान देते हैं और 85% से अधिक यात्री यातायात एवं 65% माल ढुलाई करते हैं।
  - वे परिवहन लागत को कम करते हैं, बाज़ार तक पहुँच बढ़ाते हैं और व्यापार को प्रोत्साहित करते हैं।
  - वे स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हुए और गरीबी को कम करने में मदद करते हुए महत्त्वपूर्ण रोज़गार अवसर का भी सृजन करते हैं।
- **ग्रामीण विकास और सामाजिक समानता:** [PMGSY](#) जैसी योजनाओं के तहत ग्रामीण सड़कें दूरदराज़ के क्षेत्रों और आवश्यक सेवाओं के बीच की दूरी को न्यून करती हैं।
  - ये हाशिये पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती हैं, अलगाव को कम करती हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं।
  - उन्नत सड़क संपर्क **शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँच** को बढ़ाता है।
- **पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** कुशल सड़क नेटवर्क पर्यटन को सुविधाजनक बनाते हैं, जो अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। दूरस्थ मार्ग और धरोहर स्थलों तक पहुँच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देती है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करती है।
- **राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा:** सड़कें रक्षा रसद और आपातकालीन प्रतिक्रियाओं के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। सीमा और सामरिक सड़कें राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सैन्य आवागमन के लिये आवश्यक हैं।

## सड़क अवसंरचना विकास से संबंधित प्रमुख चिंताएँ क्या हैं?

- **पर्यावरण संबंधी चिंताएँ:** सड़क निर्माण से नवों की कटाई, जैवविधिता का ह्रास और प्रदूषण में वृद्धि जैसी पर्यावरणीय चिंताएँ उत्पन्न होती हैं। यह आवास विखंडन, वायु व ध्वनि प्रदूषण तथा जलवायु परिवर्तन का बहुत बड़ा कारक है, जो स्थायी अवसंरचना प्रथाओं की आवश्यकता को उजागर करता है।
  - [अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी \(IEA\)](#) की रिपोर्ट है कि भारत के CO<sub>2</sub> उत्सर्जन में सड़क परिवहन का योगदान 12% है, जिसमें भारी वाहन [पार्टिकिलेट मैटर \(PM\) 2.5](#) उत्सर्जन में प्राथमिक योगदानकर्ता हैं।
- **सामाजिक चिंताएँ:** सड़क परियोजनाओं से समुदायों का वसिथापन हो सकता है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। अपर्याप्त पुनर्वास गरीबी को बढ़ा सकता है, जबकि खराब तरीके से डिज़ाइन की गई सड़कें दुर्घटना दर में योगदान करती हैं। वर्ष 2021 में भारत में 1,50,000 से अधिक मौतें हुईं, जो सुरक्षा अवसंरचना की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।
- **आर्थिक चिंताएँ:** कई सड़क परियोजनाओं में अत्यधिक लागत वृद्धि और विलंब होता है, [नयित्तरक-महालेखापरीक्षक \(CAG\)](#) ने ऐसे उदाहरणों की रिपोर्ट की है जिनमें **लागत, बजट से 40% से अधिक** पाई गई।
  - इसके अतिरिक्त **सुदृढ़ रखरखाव फ्रेमवर्क की कमी** से सड़कों की हालत तेज़ी से खराब होती है, जिससे दीर्घकालिक लागत लगभग दोगुनी हो जाती है।
- **शासन और नीतित्गित मुद्दे:** इसमें **नीलामी और क्रयान्वयन में भ्रष्टाचार** शामिल है, जिससे घटिया अवसंरचना का निर्माण होता है।
  - इसके अतिरिक्त **व्यापक नयिोजन की कमी** के कारण खराब तरीके से नषिपादति परयिोजनाएँ सामने आती हैं, जिससे **एकीकृत परिवहन नयिोजन की आवश्यकता** पर प्रकाश डाला गया है।

## आगे की राह

प्रतसिंपर्दधी दरों पर कच्चा माल प्राप्त करने और आपूर्तकिरत्ताओं के साथ अनुकूल शर्तों पर सौदागरी करने के लिये रणनीतिक खरीद पद्धतियाँ **केंद्रित करने की आवश्यकता** है। साथ ही पारदर्शी प्रथाओं को अपनाकर भूमि अधिग्रहण को सुव्यवस्थित करना और विवादों को कम करने के लिये भूमिपूलागि जैसे विकल्पों की खोज करना आवश्यक है। इसके अलावा **स्थिर GST नीतियों की आवश्यकता** है और उद्योग पर **कर परिवर्तनों के प्रभावों को दूर करने** के लिये सरकारी अधिकारियों के साथ मलिकर कार्य करने की आवश्यकता है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न: 'राष्ट्रीय नविश और बुनयिादी ढाँचा कोष' के संदरभ में नभिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. यह नीतआयोग का अंग है ।
2. वर्तमान में इसके पास 4,00,000 करोड़ रुपए का कोष है ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

**??????????:**

प्रश्न . "अधकि तीव्र और समावेशी आर्थकि वकिस के लयि बुनयिादी ढाँचे में नविश आवश्यक है।" भारत के अनुभव के प्रकाश में चर्चा कीजयि। (2021)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharatmala-pariyojana>

